Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to include Fatehgarh Sahib in International Tourist Circuit.

डॉ. अमर सिंह (फतेहगढ़ साहिब): स्पीकर सर, आपने मुझे पहली बार बोलने के लिए मौका दिया है, मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं । मैं पहली बार चुनकर आया हूं ।

सर, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि जिस जगह से मैं चुनकर आया हूं, वह जगह फतेहगढ़ साहिब है, जहां हमारे सिख कौम के 10वें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के दोनों छोटे साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह, जिनकी उम्र नौ साल थी और बाबा फ़तेह सिंह, जिनकी उम्र सात साल थी, उनको मुगल राज में दीवार में जिंदा ही चुनवा दिया गया था । सरहिंद के गवर्नर वज़ीर खान थे और औरंगजेब राजा थे । उस वक्त इतनी तशद्दुद थी, पंजाब में तीन सौ साल के बाद आज भी उस जगह की वैसी ही मान्यता है । यह 27 दिसम्बर, 1705 की घटना है । वहां आज भी दिसंबर के आखिरी हफ्ते में 26 से 28 दिसंबर के दौरान 20 से 30 लाख लोग 'शहीदी जोड़ मेला' मनाने आते हैं ।

मेरा निवेदन यह है कि इतनी बड़ी घटना हुई, सिख धर्म के लिए हमारा फेथ जिंदा रहे और छोटे साहिबजादों को यहां तक कहा गया कि बहुत ईजी लाइफ रहेगी, इस्लाम धारण कर लो, उन्होंने कहा- नहीं, हमें जो सजा देनी है, दे दो । मेरा निवेदन यह है कि यह बहुत ऐतिहासिक बात है और बहुत कम घटनाएं दुनिया में हैं, जो इस तरह की होंगी ।

सर, मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से निवेदन है कि इस जगह फतेहगढ़ साहिब को इन्टरनेशनल टूरिस्ट सर्किट पर लाया जाए । वहां पर सारा इन्फ्रास्ट्रक्चर ऐसा बनाएं कि सारी दुनिया जान सके कि सिख धर्म को बचाने के लिए छोटे साहिबजादों ने किस लेवल की कुर्बानी की थी । यह मैं आपके माध्यम से विनती करना चाहता हूं ।

बहुत-बहुत धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष: श्री सुधीर गुप्ता को डॉ. अमर सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।